# PM विश्वकर्मा योजना

## PM विश्वकर्मा योजना

*हिंदू पौराणिक कथाओं में देवताओं के वास्तुकार-*
*विश्वकर्मा को सम्मानित करने के लिये विश्वकर्मा जयंती मनाई जाती है।*

**मान्यता है कि विश्वकर्मा पौराणिक शहर लंका तथा ओडिशा में स्थित पुरी में जगन्नाथ की अद्भुत प्रतिमा के वास्तुकार थे।**

### उद्देश्य

- पारंपरिक कारीगरों एवं शिल्पकारों का उत्थान करना।
- भारत की पारंपरिक शिल्प की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण।
- औपचारिक अर्थव्यवस्था व वैश्विक मूल्य श्रृंखला में परिवर्तन।

### कार्यान्वयन मंत्रालय

- **सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (नोडल मंत्रालय)**
- कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय
- वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय)

### योजना का प्रकार

- केंद्रीय क्षेत्र योजना

### समयावधि

- **5 वर्ष** (वित्त वर्ष 2023-24 से वित्त वर्ष 2027-28 तक)

### विशेषताएँ

- 5% की ब्याज दर पर 3 **लाख रुपए तक** की **संपार्श्विक-मुक्त ऋण सहायता**।
- नामांकित कारीगरों व शिल्पकारों के लिये प्रधानमंत्री विश्वकर्मा प्रमाण पत्र एवं एक पहचान पत्र।

### पंजीकरण

- ग्रामों में स्थित कॉमन सर्विस सेंटर

### कवरेज/व्याप्ति - 18 पारंपरिक व्यापार क्षेत्र

- बढ़ई (सुथार)
- नाव निर्माता
- अस्त्र बनाने वाला
- लोहार
- हथौड़ा एवं टूल किट निर्माता
- ताला बनाने वाला
- सुनार
- कुम्हार
- मूर्तिकार, पत्थर तराशने वाला
- मोची (चर्मकार)
- राजमिस्त्री
- टोकरी/चटाई/झाड़ू निर्माता/ जूट बुनकर
- गुड़िया और खिलौना निर्माता
- नाई
- माला बनाने वाले
- धोबी
- दर्ज़ी
- मछली पकड़ने का जाल बनाने वाला

### स्टाइपेन्ड एवं प्रोत्साहन

- **कौशल प्रशिक्षण** के लिये 500 रुपए (स्टाइपेन्ड)
- **आधुनिक उपकरण खरीदने के लिये** 1,500 रुपए
- **टूलकिट प्रोत्साहन** के रूप में 15,000 रुपए

### महत्त्व

- कारीगरों को सम्मान/समर्थन तथा **वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में उनको शामिल करना**।

Drishti IAS

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/pm-vishwakarma-scheme-1